Racket in Army Recruitment in Trivandrum

1240. SHRI ARANGIL SREEDHARAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have recently uneearthed racket in Army Recruitment in Trivandrum;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what steps Government are taking to prevent such rackets in other parts of the country?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) and (b) At the instance of Army authorities the premises of a suspected tout was raided at Trivandrum in January 1992 by the Kerala Police, who are investigating the matter.

(c) A statement is given below.

Statement

The following steps have been taken by the Government to eliminate instances of malpractices/irregularities in the recruitment of Defence personnel:—

(i) With a view to eliminate the interference of touts/agents, an application system has been introduced for recruitment. Evaluation of answer books has been streamlined.

(ii) Detailed Qualitative Requirements for Officers, JCOs/ORs for posting to Recruitment Organisations have been laid down to ensure that only duly screened personnel are posted to such jobs. Staff with doubtful integrity are reverted back.

(iii) Tenure of recruiting staff, both combatants and civilians, has been restricted to 2 years.

(iv) Screening of candidates is carried out by a Board of officers with 2 independent members from the local formation/unit.

(v) In order to minimise malpractices in medical examination at the time of recruitment, a system of independent checks by a second medical officer has been instituted. Provision has also been made for appeals against the verdict of the Recruiting Medical Officer.

(vi) Prompt action is being taken against touts/agents with the assistance of Civil Police/CBI/Army Liaison Unit.

(vii) Procedure for issue of sponsorship forms for recruitment of Sailors in the Navy has been streamlined and work of the staff dealing with this job is being supervised closely.

(viii) System of allocation/release of vacancies and recruitment procedure has been thoroughly revamped.

(ix) The Examination Office for recruitment in the Navy has been shifted from Bombay to Delhi for centralised setting printing and distribution of question papers to the ZRO/BROs through couriers.

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नागरिकों/आतंकवादियों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा का अतिक्रमण

1241. श्री शंकर दयाल सिंह:
श्री राम दास अग्रवाल:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नागरिकों/आतंकवादियों द्वारा 1990 से और जे०के०एल०एफ० के आतंकवादियों

द्वारा हाल में वास्तविक नियंत्रण रेखा का भारत की ओर अतिक्रमण करने का कितने बार प्रयास किया गया है;

(ख) 1990-92 से (वर्ष-वार) जम्मू और कश्मीर सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार करने की कोशिश में पाकिस्तान में प्रशिक्षित ऐसे आतंकवादियों/नागरिकों की संख्या कितनी-कितनी है, जो पकड़े गये हैं, मारे गये हैं या जिन्होंने आत्म समर्पण कर दिया है;

(ग) 1990 से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मारे गये या कैदियों के रूप में पाकिस्तान द्वारा पकड़ लिये गये भारतीय सैनिक कार्मिकों की संख्या कितनी-कितनी है; और

(घ) इन घटनाओं के दौरान भारतीय सेना के कार्मिकों को उनके शौर्य प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करने के लिये सरकार की क्या-क्या योजनायें हैं?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार): (क) पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा नियंत्रण रेखा को पार कर घुसपैठ करने के प्रयास करने की घटनायें होती रही हैं।

(ख) सन् 1990 से नियंत्रण रेखा पार करने का प्रयास करते समय मारे गये, पकड़े गये और आत्मसमर्पण करने वाले राष्ट्रविरोधी तत्वों की संख्या इस प्रकार है :--

	मारे गये	पकड़े गये	आत्म समर्पण करने वाले
(क) 1990	382	1099	--
(ख) 1991	405	186	--
(ग) 1992 (26 फरवरी, 1992 तक)			

(ग) यद्यपि पाकिस्तान द्वारा हमारी सेना का कोई कार्मिक कैद नहीं किया गया, परन्तु नियंत्रण रेखा पर राष्ट्रविरोधी तत्वों से मुठभेड़ करते समय कुछ कार्मिक मारे गये। इससे अधिक ब्यौरे प्रकट करना वांछनीय नहीं होगा।

(घ) सेना कार्मिकों को उनके शौर्य के लिये पुरस्कृत करने के संबंध में सेना की प्रचलित कार्यविधि के अनुसार विचार किया जाता है। कार्मिकों को उनके पराक्रम के मूल्यांकन के आधार पर शौर्य पुरस्कार और अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार दिये जाते हैं।

गणतंत्र दिवस परेड, 1992 में बाबा साहेब अम्बेडकर की झांकी

1242. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बाबा साहेब अम्बेडकर को चित्रित करने वाली कोई झांकी गणतंत्र दिवस परेड, 1992 में सम्मिलित की गई थी; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार): (क) जी, हां।

(ख) कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित इस झांकी में भारत का संविधान बनाने में बाबा साहिब डा० बी० आर० अम्बेडकर के विशिष्ट योगदान की एक झांकी प्रस्तुत की गयी है।

Subunits under N.C.C.

1243. **DR. BAPU KALDATE:** Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) What is the existing number of subunits and part thereof functioning under the National cadet Corps: